VARANASI CALLING

हर रील पर भरोसा करना ठीक नहीं



जागरण लोड न लगाएं भ्रम न फैलाएं

दैनिक जागरण आइडेंटिटर पर्व अभियान जागरण लोड न लगाएं भ्रम न फैलाएं के तहत दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जागरण के वरिष्ठ पत्रकारों ने छात्रों को फेक न्यूज की पहचान, तथ्य जांच और जिम्मेदार पत्रकारिता के गुर सिखाए। कार्यशाला में 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

सोशल मीडिया पर जो भी दिखता है, उसे सही मान लेना ठीक नहीं है, हेल्थ से जुड़ी कोई भी दवा डॉक्टर की सलाह से ही लेनी चाहिए।

विशाल गुप्ता

रील देखकर कोई दवा कितनी जानकारी के बाद बेचना चाहिए, इसे लेकर जागरूकता का पता चलता है, इसलिए रील पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

अंजली कुमारी

कई लोग सोशल मीडिया पर रील देखकर दवाओं का नाम लेकर मेडिकल स्टोर पर आते हैं, हम उन्हें पहले डॉक्टर से दवाओं के बारे में सलाह लेने की सलाह देते हैं।

राजेश कुमार

रील में दिए गए हर टोटके पर भरोसा नहीं करना चाहिए, बिना जांच और डॉक्टर की सलाह के ऐसी दवाओं का इस्तेमाल जानलेवा साबित हो सकता है।

दिशा

बर्थ से लेकर डेथ तक स्ट्रगल

नाम और पते में संशोधन को लेकर लोगों को बार-बार लगाने पड़ रहे चक्कर

P.C. SHIVA JAISWAL NIXIT

i CONCERN

हर महीने सिटी में कई सर्टिफिकेट के लिए 2400 से अधिक आते हैं एप्लीकेशन

varanasi@inext.co.in

VARANASI (30 July): नगर निगम का जन्म-मृत्यु कार्यालय ऐसा विभाग बन गया है, जहां लगभग हर लोकल मृत्यु प्रमाणपत्र तक के लिए लोगों को लाइनलगर चक्कर काटने पड़ रहे हैं. सूचना 10 बजे कार्यालय खुलने के पहले ही लगभग और मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने व होने के लिए लोगों की भीड़ लग जाती है. वहीं यह उम्मा प्रमाणपत्र हो या किसी का मृत्यु प्रमाणपत्र, लोगों को इसी पाने के लिए कई-कई सप्ताह तक इंतजार करना पड़ रहा है. कई मामलों में प्रमाणपत्र बन भी जाता है तो उसमें नाम या पते की त्रुटियां होती हैं. ऐसे में सुधार के लिए लोगों को दोबारा कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं. इससे जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों का वेबसाइट भी बहुत जा रहा है.

रोजाना आते हैं 200 एप्लीकेशन

नगर निगम के जन्म-मृत्यु कार्यालय में जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए रोजाना कई सेवाएं में लोग पहुंच रहे हैं. काम बनवा पर न होने से आम लोग परेशान हैं. सूत्रकार कई ऐसे आवेदक पहुंचे, जिन्होंने पूरा काम में आवेदन किया था, लेकिन इनका प्रमाणपत्र अब तक नहीं बन सका. जिनके प्रमाणपत्र बन गए हैं, उनमें किसी के नाम तो किसी के पते में गलती है.



जन्म-मृत्यु कार्यालय में उमड़ी भीड़.

पेंडिंग एंड पेरिशन

200	63,800	20,257	55 लाख
एप्लीकेशन आते हैं रोजाना	जन्म प्रमाणपत्र एक वर्ष में	मृत्यु प्रमाणपत्र एक वर्ष में	पुराने सिटीजन अभिलेखन

इन्हीं प्रमाणपत्र को लेकर सबसे ज्यादा

दो दिन पहले सभी जन्म प्रमाणपत्र के आवेदनों को लेकर शिकायत थी. जन्म-मृत्यु कार्यालय में लेकर कंप्यूटर खराब होने के कारणों से पुराने सभी नई दिन फर्जी प्रमाणपत्र तैयार कर, लेकिन लोगों को समय जानकारी नहीं दी जाता. वहीं एक कारण यह कि संबंधित प्रमाणपत्र नगर निगम के पोर्टल में आते नहीं हुआ है.

"पहले पांच आईडी से जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किए जाते थे. अब उनकी संख्या बढ़ाकर 10 कर दी गई है और संबंधित एक आईडी से सात ही एक है. इसी कारण पेंडिंग बढ़ रही है.

संदीप भार्गव, सहायक, नगर निगम

बने 63,801 जन्म सर्टिफिकेट

नगर निगम के जन्म-मृत्यु कार्यालय ने जिसने एक वर्ष में 63,801 जन्म प्रमाणपत्र और 20,257 मृत्यु प्रमाणपत्र जारी किए हैं. साथ ही पुराने अभिलेखों के डिजिटलीकरण का कार्य भी कर रहा है.

पुराने सिटीजन अभिलेखन

डिजिटलीकरण के तहत वर्तमान 55 वर्ष पुराने जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों के सिटीजन अभिलेखन किए जा रहे हैं. इस कार्य को दो चरण में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जहां कार्य सितंबर तक निपटा कर उपलब्ध हो जाने. वहां नगर निगम में मुख्य रूप से दो काम ई-सर्वे तक कार्यालयों संख्या तक लाया जा रहा है. दिलचस्प डिटेलिंग 10 में 15 रजिस्टर नवीन कार्य पूर्णतया लिए जा रहे हैं. नगर निगम में लगभग 2,500 रजिस्टर हैं, जिनमें वर्तमान डाटा से तीन लाख जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र का विवरण दर्ज है. वर्ष 1965 से 2026 तक के अभिलेखों को स्कैन कराया जाए डी मदद से डिजिटल किया जा रहा है.

VARANASI CALLING!

तब नगर निगम में प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और समयबद्ध होनी चाहिए?

हमें आए हमारे कार्य 9452309576

CITY BRIEFS

डॉ. यमुना सिंह ने संभाला दायित्व



VARANASI : बनारस हाल में 29 जुलाई को आयोजित भाजपा इंटरनेशनल सम्मेलन में डॉ. यमुना सिंह ने बनारस डेंटल कालेज और हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का दायित्व ग्रहण किया. उनको मेडिकल के नई इकाइयों में भी बड़ा सम्मान, जिसमें स्कूली अध्ययन समिति, डिग्रेशन अध्ययन अकैडमियों, मुख्य अध्ययन पीठिका उच्च शक्तियों मेडिकल प्रोफेशनल बनी.

कपिल सांख्य योग आश्रम में गुरु पूर्णिमा



VARANASI : कपिल सांख्य योग आश्रम में गुरु पूर्णिमा का पावन उत्सव श्रद्धेय स्वामी श्रद्धा, भक्ति और समर्पण के साथ मनाया गया. इस अवसर पर गुरु पूजन एवं आदृता पूजन, भजन, आध्यात्मिक प्रवचन, ध्यान शिविरण और गंगा तट पर आयोजन किया गया. आश्रमों अनेक लोग ने आश्रम के सभी भक्तों का सम्मानों को संदेश दिया.

डॉ. विनय NBCS के संरक्षक



VARANASI : नू बनारस कैसा सोसाइटी ने विनीय विशेषज्ञ डॉ. विनय प्रसाद त्रिपाठी को संस्था का संरक्षक मनोनीत किया है. संस्था संस्था-संस्था का कार्यकलापों, तकनीकी प्रशिक्षण, स्वास्थ्यिक अधिकारों एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को सशक्त करने का कार्य करती रही है.

संत रविदास का संदेश अपनाने की जरूरत

varanasi@inext.co.in

VARANASI (30 July): डा. भीमराव अंबेडकर पीजी, सामाजिक विज्ञान संकाय व काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शरणार्थन ने गुरुवार को अंबेडकर लोकभर सेमीनार के पहले दिवस अभिव्यक्ति ने गुरुवर बताया डा. भीमराव अंबेडकर पेनल इकनामिसी लाइब्रेरी ने संत रवि, डा. अंबेडकर, डा. जगजीवन राम और महात्मा के विचारों की चर्चा हुए. कहा कि संत गुरु रविदास जी के विचार और उनके दोहा को अपनाने की जरूरत है. डी. मनोज कुमार मिश्र, डी. राजीव कुमार सिंह, डी. सम्मान, डी. शंकर कालम, डा. इसाक, डा. अजय कादर मौजूद रहे. धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राजीव कुमार सिंह ने किया.

नवप्रवेशित छात्रों का अभिविन्यास कार्यक्रम हुआ

varanasi@inext.co.in

VARANASI (30 July): दयानन्द कॉलेज नई दिल्ली के आर्थोडॉक्स सरकारी इण्डस्ट्रियल एवं सोशलवर्क, एकमात्र-2026 में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की भी सहभागिता रही. 25 से 27 जुलाई तक हुए कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से समूल आय आर्थोडॉक्सोलाजी के डायमण्ड डायमण्ड डा. समरेश के सिंह ने इंडोनिशिया किया, उनकी उपस्थिति की उपकृत दुलकता एवं विश्वप्रसन्न के आधार पर उच्च शिक्षण संस्थानों की दौरी में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया. समिति के अन्य सदस्यों में प्रो. आलोक आजमेरी निदेशक, प्रबंधन संस्थान, प्रो. यू पी सिंह, निदेशक कृषि विज्ञान संस्थान शामिल थे.

नई दिल्ली एक्सपो में काशी हिंदू विवि प्रथम

varanasi@inext.co.in

VARANASI (30 July): शिल्प रोजगार, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माध्यम डायरात में पुरुषत्व को पश्चकेंद्रित छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम हुआ. कार्यक्रम की सुरुआत संस्थायक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, मालवीय हाल संस्थानालय में हुआ. शिक्षा संकाय अनुसू डी. कुमीन कुमार सिंह, डी. सुनील कुमार सिंह सहित विद्यार्थी सम्पादक डा बीनू सिंह, डा. अमरी सिंह, इसान सिंहारी, रोमी चन्दोल, विवेकु ओझा मौजूद रहे.

कार्यालय, उप निदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल, जंगी रोड, मीरजापुर

ई-निविदा सूचना :-

निदेशक महोदय, मण्डी परिषद, मीरजापुर द्वारकेत निम्नलिखित कार्यों के निमित्त ई-निविदा हेतु से पंजीकृत, अनुभवी मण्डी परिषद में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारी द्वारा दिनांक 31.07.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन निविदा लिंकहाइट https://etender.up.nic.in पर दिनांक 03.08.2026 को पूर्वाह्न 10.00 बजे से दिनांक 20.08.2026 को अपराह्न 5.00 बजे तक आरएसबीए कर अपलोड की जा सकती है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 21.08.2026 को पूर्वाह्न 11.00 बजे ऑनलाइनकमेटी के सदस्यों खोली जायेगी। इस निविदा विधि को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाने की स्थिति में उसके कार्यालय कार्य दिवस में अगले निर्धारित समय के अनुसार ही तकनीकी बिड/वित्तीय बिड खोली जायेगी :-

क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा मूल्य (वैट एवं जी0एस0टी0 अलग से)	धरोहर धनराशि (मूल्य बिड हेतु)	प्रलेख शुल्क (मूल्य बिड हेतु)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्य की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	लक्ष्मीगंज मण्डी स्थल मीरजापुर में 01 एम.डब्ल्यू. क्षमता का सौर ऊर्जा से संचालित ग्रिड इन्टरएक्टिव सोलर पावर प्लांट का कार्य। 2026 RKUMP 1173363 I	(1940000+ 194000) 2134000	66.70	05.44	24 माह	'ब'
2	लक्ष्मीगंज मण्डी मीरजापुर में प्रवेश द्वार एवं निकास द्वार का सौंदर्य कीकरण का निर्माण कार्य। 2026 RKUMP 1173365 I	(180+ 200) 380.00	3.80	0.38	6 माह	'ब'

नोट :-

1. निविदादाता निविदा शुल्क का निर्देशक निर्माण, राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, मीरजापुर के राष्ट्रीयकृत बैंक की उसका ड्राफ्ट/पे ऑर्डर के साथ संख्या : 30394539551, आईएफसी कोड संख्या : SBIN0000803 जो उप निदेशक निर्माण, मीरजापुर के आकाशीयालय लखनऊ देय हो। निविदा शुल्क वापसी की जायेगी।
2. निविदा की धरोहर धनराशि उपर्युक्तानुसार खाता संख्या : 30394539666 में आकाशीयालय लखनऊ होगा। निविदा बैंक से जमानीय निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि का भुगतीयालय लखनऊ होगा। निविदा शुल्क धनराशि वापस की जायेगी।
3. उक्त निविदा से संबंधित किसी भी कार्य विवाद में सिर्फ मीरजापुर न्यायालय को ही क्षेत्राधिकार होगा।

उप निदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, मीरजापुर

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC030823,
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.o. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

उत्तर मध्य रेलवे
मे. G.C.-PHOTO-197-23-24 (पंजीकृत फोटोग्राफर) dated 29.07.2026

1734206(D)

कार्यालय जिला शासन अधिकारी, चन्दौली — ई-निविदा सूचना

समृद्ध किसान, प्रगतिशील बंगाल
पश्चिम बंगाल सरकार की एक ऐतिहासिक पहल

कृषि-पंप विद्युत कनेक्शनों पर अतिरिक्त सब्सिडी

प्रति यूनिट ₹2 की अतिरिक्त सब्सिडी
राज्य सरकार की ओर से

खेती की लागत घटाने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से पश्चिम बंगाल सरकार ने कृषि-पंप विद्युत कनेक्शनों पर बिजली की प्रति यूनिट ₹2 की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान करने का निर्णय लिया है।

किसानों को क्या लाभ होगा?

- सिंचाई होगी और भी किफायती
प्रति यूनिट ₹2 की अतिरिक्त सब्सिडी से सिंचाई पर होने वाला बिजली खर्च कम होगा।
- बढ़ेगी किसानों की आय
जब खेती की लागत घटेगी, तो मुनाफा बढ़ेगी और किसानों की आमदनी में भी वृद्धि होगी।
- कृषि विकास को मिलेगा नया बल
सस्ती और विश्वसनीय बिजली से खेती होगी अधिक आधुनिक और उत्पादक।
- गाँव का विकास
किसानों की खुशहाली ही बंगाल की समृद्धि की सबसे मजबूत नींव है।

सस्ती बिजली, समृद्ध किसान उज्ज्वल भविष्य

ICA-D1126(B)/2026

कृषि को शक्ति, ग्रामीण विकास को नई ऊर्जा

WBSEDCL आपके साथ 24 x 7

कृषि विपणन पश्चिम बंगाल सरकार
विद्युत विपणन पश्चिम बंगाल सरकार